History

* कृष्णदेवराय - II (1509 - 29) Krishnadevaraya (1509 - 29)

⇒ विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक
Greatest ruler of Vijayanagara Empire

⇒ उपाधि ⇒ अभिनव भोज / आंध्र पितामह / आंध्र भोज
Title - Abhinav Bhoj / Andhra Pitamah / Andhra Bhoj Imp.

⇒ इनके समय को तेलुगू साहित्य का स्वर्ण काल कहा जाता है
His time is called the golden age of Telugu literature

⇒ इन्होंने तेलुगु के प्रसिद्ध ग्रन्थ अमुक्त माल्यद (विस्वुवितीय) की रचना की Imp
He composed the famous Telugu book Amukt malyad (Visvuviti yq).

⇒ बाबर ने अपनी पुस्तक तुजुक - ए - बाबरी में दक्षिण का सबसे महान शासक कृष्णदेवराय II को बताया
Babur in his book Tuzuk - e - Babri described Krishnadev araya the greatest ruler of the South.

⇒ उड़ीसा के शासक प्रताप रुद्र देव को हराकर तेलंगाना क्षेत्र को जीता
Conquered the Telangana region by defeating Pratap Rudra Deva. the ruler of Orissa.

⇒ पुर्तगालियो से मित्रता की (घोड़े के लिए)
Befriended the portuguese (for the horse)

⇒ 2 पुर्तगाली यात्री विजय नगर आये
2 portuguese travelers came to Vijay nagar
1. बारबोसा Barbosa
2. डोमिंगो पायस Domingo Paes

⇒ अष्ट दिग्गज, इनके दरबार में रहते थे Eight Giants, lived in his Court

(8 विद्वान) → तेनालीराम (8 Scholars) → Tenaliraj
Book → पांडुरंग महात्मय Pandurang Mahatmya
पेदन्न नंदीतिम्म

⇒ अच्युतदेव राय (1529-42) Achyudeva Raya (1529-42)
नूनीज पुर्तगाली आये nunes Came to portuguese

सदाशिव राय (1542-70) Sadashiv Rai (1542-70)
→ लेकिन वास्तविक शक्ति "रामाराय" (70 वर्ष) के हाथों में थी
But the real power was in the hands of "Ramaray" (70 years old)
→ विजय नगर के पतन का कारण The reason for the fall of Vijay Nagar

* तालीकोटा का युद्ध - 23 Jan. 1565 Imp.

→ रामाराय Vs अली आदिलशाह (जीता)
Ramaraj Vs Ali Adilshah (Won)

→ राक्षसी तांगड़ी का युद्ध Battle of demonic Tangdi

अरवीडु वंश (1570-1650) Aravidu dynasty (1570-1650)

- सबसे कमजोर वंश Weakest Lineage
- संस्थापक - तिरुमल Founder Tirumal
- राजधानी - पेनुगोण्डा Capital - Penugonda

* वेंकट II Venkat II

- चंद्रगिरी (अंतिम राजधानी) Chandragiri (the last Capital)
- अंतिम शासक - रंग तृतीय Last Ruler Rang III

सिक्ख धर्म

सिक्ख एवं अंग्रेज Sikhs and the British

सिक्ख सम्प्रदाय की स्थापना का श्रेय गुरु नानक (प्रथम गुरु) को है। गुरु नानक के अनुयायी ही सिक्ख कहलाए। ये बादशाह बाबर एवं हुमायूं के समकालीन थे। The Credit for establishing the Sikh Sect goes to Guru Nanak (The first Guru.) The followers of Guru Nanak were called Sikhs. They were Contemporaries of emperors Babar and Humayun.

सिक्ख धर्म 10 गुरु हुए हैं।
→ प्रथम (गुरु - गुरु नानक देव)

बाबर 1526 - 1530
हुमायूं (1530 - 1540)
(1555 - 1556)

गुरुनानक ने गुरु का लंगर नामक निःशुल्क सहभागी भोजनालय स्थापित किए। गुरुनानक ने अनेक स्थानों पर संगत (धर्मशाला) और पंगत (लंगर) स्थापित किए Guru Nanak established free Community dining halls called Guru ka Langar. Guru Nanak established Sangat (Dharamshala) and pangat (Langar) at many places.

⇒ संगत और पंगत ने गुरुनानक के अनुयायियों के लिए एक संस्था का कार्य किया, जहां वे प्रतिदिन मिलते थे।

⇒ गुरु नानक की 1539 ई० में करतारपुर में मृत्यु हो गयी

Sangat and pangat served as an institution for the followers of Guru Nanak, where they met daily.

Guru Nanak died in 1539 AD in kartarpur.

गुरु अंगद (1539-52 ई०) सिक्खों के दूसरे गुरु थे। इनका प्रारम्भिक नाम लहना था Imp

Guru Angad (1539-52 AD) was the Second Guru of the Sikhs. His original name was Lahna.

I → गुरु नानक देव
II → गुरु अंगद

⇒ इन्होंने नानक द्वारा शुरू की गई लंगर-व्यवस्था को स्थायी बना दिया। He made the langar System Started by Nanak permanent Imp

⇒ गुरुमुखी लिपि का आरंभ गुरु अंगद ने किया। Gurmukhi Script was started by Guru Angad Imp

⇒ सिक्खों के तीसरे गुरु अमरदास (1552-1574) ई. थे।
The Third Guru of the Sikhs was Amandas (1552-1574 AD).

I → गुरु नानक
II → गुरु अंगद
III → गुरु अमरदास

⇒ अकबर ने गुरु अमरदास से गोविन्दवाल जाकर भेंट की और गुरु- पुत्री बीबी भानी को कई गांव दान में दिए।

⇒ अमरदास ने 22 गद्दियों की स्थापना की और प्रत्येक पर एक महन्त की नियुक्ति की।

- Akbar met Guru Amandas at Govindwal and donated Several Villages to the Guru's daughter Bibi Bhaani.
- Amandas established 22 gaddis and appointed a Mahant on each one.

बीबी के पति रामदास (1574-1581) ई. सिक्खों के चौथे गुरु हुए। अकबर ने बीबी भानी को 500 बीघा भूमि दी। गुरु रामदास ने इसी भूमि पर अमृतसर नामक जलाशय खुदवाया और अमृतसर नगर की स्थापना की। गुरु रामदास ने अपने तीसरे पुत्र अर्जुन को गुरु का पद सौंपा। इस प्रकार इन्होंने गुरु- पद को पैतृक बनाया।

Bibi's husband Ramdas (1574 - 1581) AD became the fourth Guru of the Sikhs. Akbar gave 500 bighas of land to Bibi Bhani. Guru Ramdas dug a reservoir named Amritsar on this land and established the City of Amritsar. Guru Ramdas handed over the post of Guru to his third son Arjun. Thus he made the post of Guru hereditary I II III IV

गुरू - अर्जुन (1581 - 1606 ई०) सिक्खों के पांचवें गुरू हुए। इन्होंने सिक्खों के धार्मिक ग्रंथ आदिग्रंथ की रचना की।
Guru Arjun (1581 - 1606 AD) was the fifth Guru of the Sikhs. He Composed the Adi Granth the religious text of the Sikhs.
Imp.

I → गुरू नानक
II → गुरू अंगद
III → गुरू अमरदास
IV → गुरू रामदास
V → गुरू अर्जुन देव

⇒ गुरू अर्जुन ने अमृतसर जलाशय के मध्य में हरमन्दर साहब का निर्माण कराया। Guru Arjun built Harmandir Sahib in the middle of the Amritsar reservoir.

⇒ शाहजादा खुसरो की सहायता करने के कारण जहाँगीर ने 1606 ई. में गुरू अर्जुन को मरवा दिया। Imp.
Due to helping prince khusro, Jahangir got Guru Arjun killed in 1606 AD.

खुसरो जहाँगीर का पुत्र था और अपने पिता के खिलाफ बगावत की

⇒ सिक्खों के छटे गुरू हरगोविन्द (1606 - 1645 ई.) हुए।
The Sixth Guru of the Sikhs was Hargobind (1606 - 1645 AD.)

⇒ सिक्खों के सातवें गुरू हररायं (1645 - 61 ई.) हुए। इन्होंने दारा शिकोह को मिलने आने पर आशीर्वाद दिया।
The Seventh Guru of the Sikhs was Har Rai (1645 - 61 AD). He blessed Dara Shikoh when he came to meet him
Imp.

सिक्खों के आठवें गुरू हरकिशन (1661 - 64 ई.) हुए। इनकी मृत्यु चेचक से हो गयी। इन्हें दिल्ली जाकर गुरूपद के बारे में औरंगजेब को समझाना पड़ा था।
The eighth Guru of the Sikhs was Harkishan (1661-64 AD He died of Smallpox. He had to go to Delhi and explain to Aurangzeb about the Gurushif

⇒ सिक्खों के नौवें गुरु तेगबहादुर (1664-75 ई०) हुए। इस्लाम स्वीकार नहीं करने के कारण औरंगजेब ने इन्हें वर्तमान शीशगंज में के निकट मरवा दिया।
The ninth Guru of the Sikhs was Tegh Bahadur (1664-75 AD). Aurangzeb got him killed near the present Sheeshganj because he did not accept Islam.
चांदनी चौक (दिल्ली)

⇒ सिक्खों के दसवें एंव अंतिम गुरु, गुरु गोविन्द सिंह (1675-1708 ई.) हुए। इनका जन्म 1666 ई. में पटना में हुआ था। The tenth and last Guru of the Sikhs Guru Govind Singh (1675-1708 AD). He was born in patna in 1666 AD.

गुरुगोविन्द सिंह अपने को सच्चा पादशाह कहा। इन्होंने सिक्खों के लिए पाँच 'ककार' अनिवार्य किया अर्थात् प्रत्येक सिक्ख को केश, कंघा, कृपाण, कच्छा और कड़ा रखने की अनुमति दी और सभी लोगों को अपने नाम के अन्त में 'सिंह' शब्द जोड़ने के लिए कहा। Guru Gobind Singh Called himself the true king He made it Compulosary for Sikhs to have five 'K's' i.e. every Sikh was allowed to keep kesh, kangha, kirpan, kachha and kara and asked everyone to Add the word 'Singh' at the end of their names.

⇒ गुरुगोविन्द सिंह का निवास स्थान आनंदपुर साहिब था एवं कार्यस्थली पाओता थी। Guru Gobind Singh's residence was Anandpur Sahib and his workplace was paota.

⇒ गुरुगोविन्द सिंह ने फारसी में जफ़रनामा लिखे थे। Guru Gobind Singh wrote Zafarnaama in persian Imp.

⇒ 1699. ई० में वैशाखी के दिन गुरुगोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की। पाहुल प्रणाली की शुरुआत भी गुरुगोविन्द सिंह ने की।
Guru Gobind Singh founded the Khalsa sect on the day of Baisakhi in 1699 AD. Guru Gobind Singh also started the pahul System.

गुरुगोविन्द सिंह ने सिक्खों के धार्मिक ग्रंथ आदिग्रंथ को वर्तमान रूप दिया और कहा कि अब 'गुरुवाणी' सिक्ख सम्प्रदाय के गुरु का कार्य करेगी।
Guru Gobind Singh gave its present form to the Sikh religious text Adi Granth and said that now 'Guruvani' would act as the Guru of the Sikh Community.

rojgar with ankit

गुरुगोविन्द सिंह की हत्या 1708 ई. में नांदेड़ नामक स्थान पर गुल खां नामक पठान ने कर दी।

Guru Gobind Singh was murdered by a pathan named Gul khan at a place called Nanded in 1708 AD.